



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 205]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 29, 2016/आषाढ़ 8, 1938

No. 205]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 29, 2016/ASADHA 8, 1938

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 जून, 2016

(अंतिम जांच परिणाम)

**विषय :** मेसर्स हेनिंग टिआन्फू वार्प निटिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) और मेसर्स मन्ना, कोरिया जनवादी गणराज्य (निर्यातक) द्वारा किए गए अनुरोध पर चीन जनवादी गणराज्य के मूल की अथवा वहां से निर्यातित पीवीसी फ्लेक्स फिल्म के आयातों पर लगाए गए पाटन-रोधी शुल्क के संबंध में सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के नियम 22 के अंतर्गत नई शिपर समीक्षा (एनएसआर)।

**संख्या 15/23/2011-डीजीएडी.-** समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियम भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

**क. मामले की पृष्ठभूमि**

2. यतः मूल जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) ने अन्य बातों के साथ-साथ चीन जनवादी गणराज्य "(जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल की अथवा वहां से निर्यातित "पीवीसी



फ्लेक्स फिल्मस" (जिसे आगे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयातों पर, जो कि सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 39 के अंतर्गत शीर्ष संख्या 39201019, 39201012, 392014900, 39219026, 39219029, 39269099, 39199090, 39181090, 39189090 के अंतर्गत आती हैं, दिनांक 29 जुलाई, 2011 की अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना संख्या 14/4/2010-डीजीएडी द्वारा अन्य बातों के साथ-साथ पाटन-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी और तदनुसार केन्द्रीय सरकार की दिनांक 25 अगस्त, 2011 की अधिसूचना संख्या 82/2011-सीमा-शुल्क (एडीडी) द्वारा पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाना अधिसूचित किया गया था।

3. यतः संबद्ध देशों के आयातों पर पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने की अधिसूचना के अनुसरण में मेसर्स हेनिंग टिआन्फू वार्प निटिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) और मेसर्स मन्ना, कोरिया जनवादी गणराज्य (निर्यातक) (जिन्हें आगे आवेदक कहा गया है) ने सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम और पाटन-रोधी नियमावली के नियम 22 के अनुसार प्राधिकारी के समक्ष एक आवेदन पत्र प्रस्तुत किया था जिसमें उन्होंने विशेष पृथक् मार्जिन का दावा किया है।

4. प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के नियम 22 के अंतर्गत निर्धारित शर्तों से प्रथम दृष्टया संतुष्ट होने पर चीन जनवादी गणराज्य के मूल की अथवा वहां से निर्यातित "पीवीसी फ्लेक्स फिल्मस" के पाटित आयातों पर मेसर्स हेनिंग टिआन्फू वार्प निटिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) और मेसर्स मन्ना, कोरिया जनवादी गणराज्य (निर्यातक) के संबंध में लगाए गए पाटन-रोधी शुल्कों के प्रयोजनार्थ विशेष पृथक् मार्जिन का निर्धारण करने के लिए दिनांक 12 अप्रैल, 2012 की अधिसूचना संख्या 15/23/2011-डीजीएडी द्वारा नई शिपर समीक्षा जांच शुरू की थी। प्राधिकारी द्वारा इस नई शिपर समीक्षा के प्रयोजनार्थ निर्धारित की गई जांच अवधि 1 अप्रैल, 2012 से लेकर 30 सितंबर, 2012 (6 महीनों) तक थी। दिनांक 1 जून, 2012 को जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना पर एक शुद्धिपत्र जारी किया गया था।

5. प्राधिकारी ने नई शिपर समीक्षा जांच (एनएसआर) शुरू करते हुए पाटन-रोधी नियमावली के नियम 22 के अनुसार नई शिपर समीक्षा जांच पूरी होने तक मेसर्स हेनिंग टिआन्फू वार्प निटिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) और मेसर्स मन्ना, कोरिया जनवादी गणराज्य (निर्यातक) द्वारा निर्मित की गई संबद्ध वस्तुओं के सभी निर्यातों का तब तक अनन्तिम मूल्यांकन करने की सिफारिश की थी और दिनांक 25 अगस्त, 2011 की अधिसूचना संख्या 82/2011-सीमा-शुल्क (एडीडी) और दिनांक 14 मई, 2012 की अधिसूचना संख्या 24/2012-सीमा-शुल्क (एडीडी) को ध्यान में रखते हुए दिनांक 14 मई, 2012 के अधिसूचना संख्या 24/2012-सीमा-शुल्क (एडीडी) पर दिनांक 15 जून, 2012 की अधिसूचना संख्या 24/2012-सीमा-शुल्क (एडीडी) द्वारा एक शुद्धिपत्र जारी किया था।

6. राजस्व विभाग, केन्द्रीय सरकार ने नई शिपर समीक्षा जांच पूरी होने तक मेसर्स हेनिंग टिआन्फू वार्प निटिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) और मेसर्स मन्ना, कोरिया जनवादी गणराज्य (निर्यातक) द्वारा निर्मित की गई संबद्ध वस्तुओं के सभी निर्यातों पर दिनांक 14 मई, 2012 की अधिसूचना संख्या 24/2012-सीमा-शुल्क (एडीडी) द्वारा अनन्तिम मूल्यांकन अधिसूचित किया था और उस पर दिनांक 15 जून, 2012 की अधिसूचना संख्या 24/2012-सीमा-शुल्क (एडीडी) द्वारा एक शुद्धिपत्र जारी किया था। उक्त अधिसूचना में यह बताया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की जा रही नई शिपर समीक्षा जांच के परिणाम के लंबित रहने तक चीन जनवादी गणराज्य के मूल की अथवा वहां से मेसर्स हेनिंग टिआन्फू वार्प निटिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) और मेसर्स मन्ना, कोरिया जनवादी गणराज्य (निर्यातक) द्वारा



निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयात, इस जांच के पूरा होने तक अनन्तिम मूल्यांकन के अध्वधीन रहेंगे। उसमें यह भी बताया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच पूरी करने पर यदि निश्चयात्मक पाटन-रोधी शुल्क पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू किया जाता है, तो अनन्तिम मूल्यांकन ऐसी सुरक्षा अथवा गारंटी के अध्वधीन होगा और यदि सीमा-शुल्क के सक्षम अधिकारी उपयुक्त मानते हैं, तो उसका यदि कोई भुगतान किया जाना है, तो वह करना होगा। इसके अतिरिक्त उसमें यह भी बताया गया है कि यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उक्त समीक्षा पूरा करने के बाद पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है, तो आयातक को समीक्षा में संस्तुत तथा चीन जनवादी गणराज्य के मूल की अथवा वहां से उपरोक्त पक्षकारों द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर लागू किए गए पाटन-रोधी शुल्क का भुगतान करना होगा, जो कि उक्त समीक्षा के शुरू किए जाने की तारीख से प्रभावी होगा।

7. वर्तमान नई शिपर समीक्षा जांच के लंबित रहने होने तक प्राधिकारी ने मेसर्ज प्वानियर्स पोलीलेदर्स लिमिटेड और मेसर्ज एसआरएफ लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किए गए एक आवेदन पत्र के आधार पर दिनांक 27.07.2015 की अधिसूचना संख्या 15/13/2015-डीजीएडी द्वारा निर्णायक समीक्षा जांच (एसआरएस) शुरू की थी ताकि इसकी जांच की जा सके कि क्या ऐसे शुल्क को समाप्त कर दिए जाने के फलस्वरूप पाटन के निरंतर जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने और घरेलू उद्योग का क्षति होने की संभावना है। इस निर्णायक समीक्षा जांच (एसआरएस) के लिए जांच अवधि अप्रैल, 2014 से मार्च, 2015 तक निर्धारित की गई थी। चीन जनवादी गणराज्य के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाए गए संबद्ध पाटन-रोधी शुल्क को केन्द्रीय सरकार की दिनांक 18 अगस्त, 2015 की अधिसूचना संख्या 43/205-सीमा-शुल्क (एडीडी) द्वारा आगे बढ़ा दिया गया था।

#### **ख. क्रिया-विधि**

8. वर्तमान जांच के संबंध में निम्नोक्त निर्धारित क्रिया-विधि का अनुसरण किया गया है:-

- (1) प्राधिकारी ने एनएसआर-पाटन-रोधी जांच शुरू करने के संबंध में दिनांक 12 अप्रैल, 2012 को अधिसूचना संख्या 15/23/2011- डीजीएडी के अंतर्गत एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी, जो कि भारत के राजपत्र आसाधारण में प्रकाशित हुई थी।
- (2) प्राधिकारी ने जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना की एक प्रति एनएसआर के आवेदकों को निर्यातक की प्रश्नावली के साथ भेजी थी और उन्हें लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया था।
- (3) प्राधिकारी ने जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भारत में संबंधित दूतावासों को भी भेजी थी।
- (4) प्राधिकारी ने जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भारत में ज्ञात घरेलू उत्पादकों को भी भेजी थी और उन्हें लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया था।
- (5) जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना के प्रत्युत्तर में मेसर्ज हेनिंग टिआन्फू वार्प निटिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) और मेसर्ज मन्ना, कोरिया जनवादी गणराज्य (निर्यातक) ने निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं।



- (6) मेसर्स हेनिंग टिआन्फू वार्प निटिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) ने प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तर में बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण (एमईटी) का दावा किया है।
- (7) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के अगोपनीय वृत्तंत सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध करा दिए थे जो कि हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण के लिए खुले उपलब्ध थे।
- (8) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के मौखिक विचारों को सुनने के लिए 5 नवंबर, 2014 को मौखिक सुनवाई की थी। इस मौखिक सुनवाई में उपस्थित हितबद्ध पक्षकारों को सलाह दी गई थी कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित रूप में भी प्रस्तुत करें और साथ ही उन्हें हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों के प्रत्युत्तर देने का भी अवसर प्रदान किया गया था। पदस्थ निर्दिष्ट प्राधिकारी के बदल जाने के परिणामस्वरूप और ऑटोमेटिव टायर मेन्युफैचरर्स एसोसिएशन (एटीएमए), वर्ष 2006 की सिविल संख्या 949 के मामले में दिए गए माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को 4 मई, 2016 को मौखिक सुनवाई करने का एक और अवसर प्रदान किया था।
- (9) प्राधिकारी द्वारा 21 जून, 2016 को एक प्रकटन विवरण जारी किया गया था।
- (10) इस जांच की कार्यवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों सहित प्रकटन पश्चात उनके द्वारा की गई टिप्पणियों की जांच की गई है और उनका निदान इस अंतिम परिणाम में कर दिया गया है।
- (11) इस जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2012 से शुरू होने से 30 सितंबर, 2012 (6 महीनों) तक थी।
- (12) \*\*\*\* किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना और प्राधिकारी द्वारा नियम के तहत इस प्रकार से विचार की गई सूचना का द्योतक है।

#### **ग. हितबद्ध पक्षकारों के निवेदन**

9. इस जांच की कार्यवाई के दौरान एनएसआर आवेदकों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) आवेदकों ने मूल जांच की जांच अवधि के दौरान भारत को विचाराधीन उत्पाद के निर्यात नहीं किए हैं और वे संबद्ध देश के ऐसे किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक से संबंधित नहीं हैं जिन पर पाटन-रोधी शुल्क लगा हुआ है।
- (2) आवेदकों ने विशिष्ट पृथक मार्जिन प्राप्त करने के लिए पाटन-रोधी नियमावली के नियम 22 के अंतर्गत अपेक्षाओं को पूरा किया है।
- (3) घरेलू उद्योग का यह तर्क कि एसएसआर जांच को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी द्वारा शुरू की गई वर्तमान जांच निष्फल है, कानूनी रूप से तर्कसंगत नहीं है।
- (4) घरेलू उद्योग के इस तर्क का कोई कानूनी आधार नहीं है कि "नई शिपर" जांच में सतत एसएसआर जांच को भी शामिल किया जाना चाहिए था। विचाराधीन उत्पाद से संबंधित कोई भी समीक्षा जांच, वर्तमान एनएसआर जांच के निष्कर्ष के बाद ही लागू होगी।
- (5) भारत विश्व व्यापार संगठन के करार का एक हस्ताक्षरी है और वह पाटन-रोधी करार के कानूनी प्रावधानों द्वारा बाध्य है। वर्तमान नई शिपर समीक्षा जांच घरेलू विधि के अनुसार शुरू की गई है और



पाटन-रोधी नियमावली का नियम 22 विश्व व्यापार संगठन के करार और विश्व व्यापार संगठन के विधिशास्त्र के समनुरूप है।

- (6) वर्तमान जांच में निर्धारित की गई जांच की अवधि, एचएंडआर जोनसन (इंडिया) लिमिटेड बनाम भारत सरकार के मामले में लिए गए माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय के समनुरूप है।
10. इस जांच की कार्यवाही के दौरान घरेलू उत्पादकों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-
  - (1) ऐसा पाया गया है कि विश्व भर में अनेक निर्यातकों/उत्पादकों ने नियम 22 का दुरुपयोग किया है। ऐसा हो सकता है कि वर्तमान समीक्षा जांच में आवेदकों ने कानूनी प्रावधान का दुरुपयोग किया हो। आवेदकों को शुल्क के स्तर की और मूल मामले में अंतिम जांच परिणाम के अन्य व्यापारों की जानकारी है और उन्हें ऐसा अवसर प्राप्त हुआ है कि वे पूर्व-निर्धारण तरीके से अपनी कीमतों को चालाकी से परिवर्तित कर सकते हैं।
  - (2) याचिकादाताओं द्वारा प्रदान किए गए प्रमाण अस्पष्ट और अत्यधिक कम हैं, जिनसे यह स्थापित नहीं हो सकता है कि याचिकादाता नई शिपर समीक्षा जांच के पात्र हैं।
  - (3) जांच शुरू होने से पहले आवेदक भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक अथवा निर्यातक नहीं थे। ऐसा पक्षकार जिसने याचिका दायर करने तक निर्यातक देश में उत्पाद का कभी निर्यात नहीं किया है, नियम 22 के अंतर्गत नई शिपर समीक्षा जांच शुरू करने के लिए आवेदन करने का योग्य पात्र नहीं हो सकता है। इसलिए नए शिपर जांच शुरू कराने के हकदार नहीं थे।
  - (4) जांच की अवधि पूर्वव्यापी प्रभाव से होनी चाहिए थी और न कि भावी प्रभाव से। न्यू शिपरों को एनएसआर का आवेदन पत्र प्रस्तुत करने से पहले वास्तव में संबद्ध वस्तुओं के निर्यात करने चाहिए थे। आवेदक भावी अवधि के लिए उच्चतर कीमत पर निर्यात कर सकते हैं और अनुकूल निम्न पाटन प्राप्त कर सकते हैं।
  - (5) समीक्षा जांच की अवधि, नई शिपर समीक्षा जांच शुरू करने के प्रयोजनार्थ निर्धारित की जानी चाहिए और जांच की कार्यवाही के दौरान किए जाने वाले कारोबार, विशिष्ट पृथक मार्जिन का निर्धारण करने के लिए प्रासंगिक होंगे।
  - (6) ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि संबद्ध वस्तुओं के आयात ने आयातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं।
  - (7) वर्तमान जांच इसलिए निष्फल बन गई है क्योंकि मूल पाटन-रोधी शुल्क समाप्त हो गया है और प्राधिकारी द्वारा एसएसआर जांच शुरू कर दी गई है।
  - (8) प्राधिकारी द्वारा दिनांक 27.07.2015 को एसएसआर जांच शुरू की गई है और आवेदक-उत्पादक और निर्यातक, सतत एसएसआर जांच में असहयोगी हैं। ऐसी स्थिति में जिसमें निर्यातकों ने एसएसआर जांच में सहयोग नहीं दिया है, उन्हें अवशिष्ट श्रेणी में रखा जाए।
  - (9) आवेदक-उत्पादक को विनिर्माता माना जाना चाहिए क्योंकि वे केवल फैब्रिक के उत्पादक हैं। आवेदक-उत्पादक ने पाटन-रोधी शुल्क लगाने के बाद लेमिनेशन खरीदा है।
  - (10) आवेदकों ने वर्तमान जांच में बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा किया है। इस संबंध में यह निवेदन है कि चीन एक बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और आवेदक बाजार अर्थव्यवस्था की दशाओं में प्रचालन करने के योग्य पात्र नहीं हैं।



11. मेसर्ज हेनिंग टिआन्फू वार्प निटिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) और मेसर्ज मन्ना, कोरिया जनवादी गणराज्य (निर्यातक) द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तरों में किए गए दावे निम्नानुसार हैं:-

- (1) हेनिंग टिआन्फू वार्प निटिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य (जिसे आगे टिआन्फू भी कहा गया है) एक निजी स्वामित्वाधीन कंपनी है।
- (2) टिआन्फू के शेयर चीन के विशिष्ट व्यक्तियों के पास हैं और उसका सरकार से कोई संबंध नहीं है अथवा उस पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है।
- (3) टिआन्फू और पीएवी फ्लेक्स फिल्म का उत्पादन और बिक्री करने के व्यवसाय में लगी किसी अन्य कंपनी के बीच कोई संबंध नहीं है।
- (4) टिआन्फू केवल एक ऐसी फैक्टरी है जो कि संबद्ध उत्पाद का उत्पादन कर रही है।
- (5) टिआन्फू की चीन अथवा भारत सहित किसी अन्य देश में कोई ऐसी सहायक कंपनियां अथवा संबंधित कंपनियां नहीं हैं, जो कि विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करती हों।
- (6) चीन के घरेलू बाजार में कंपनी संबंधित उत्पाद की बिक्री सीधे अंत-प्रयोक्ताओं को करती है।
- (7) मेसर्ज मन्ना, कोरिया जनवादी गणराज्य (निर्यातक) द्वारा भारत में निर्यात किए गए हैं। टिआन्फू ने संबद्ध वस्तुएं मेसर्ज मन्ना, कोरिया जनवादी गणराज्य को बेचीं थीं और उसने भारतीय ग्राहकों को सीधे वस्तुएं भेजने के लिए वास्तविक परिवहन के प्रबंध किए थे। टिआन्फू द्वारा मेसर्ज मन्ना, कोरिया जनवादी गणराज्य के नाम पर बीजकें बनाई थी, जिसने बाद में उन्हें भारतीय ग्राहक के नाम पर बनाया था। सीधे चीन से वस्तुओं की ढुलाई भारत को की गई थी।
- (8) भुगतान की तयशुदा शर्तों पर मन्ना ने टिआन्फू को भुगतान किया था।
- (9) विचाराधीन उत्पाद और पीवीसी फिल्म का उत्पादन करने में दो प्रकार के कच्चे माल का प्रयोग किया जाता है। कंपनी बाजार से पीवीसी फिल्म खरीदती है और केप्टिव रूप से फैब्रिक्स का उत्पादन करती है। पीवीसी फिल्म और फैब्रिक को लेमिनेट करने की मशीन से लेमिनेट किया जाता है और उसके बाद उत्पादन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए उसकी रोल-पेकिंग की जाती है।
- (10) टिआन्फू ने 26.01.2011 को व्यवसायिक लाईसेंस प्राप्त किया था और कंपनी ने उसके बाद संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए संयंत्र स्थापित किया था। इसलिए वह नई शिपर समीक्षा कराने के लिए हकदार है।
- (11) मूल जांच अवधि, नई शिपर समीक्षा की जांच अवधि और नई शिपर समीक्षा की जांच अवधि के बाद टिआन्फू की बिक्रियों के व्यौरे निम्नानुसार हैं:-

|                        | एनएसआर जांच अवधि |                | मूल जांच अवधि  |                | एनएसआर परचात अवधि - अब तक |                |
|------------------------|------------------|----------------|----------------|----------------|---------------------------|----------------|
|                        | मात्रा (मी.टन)   | मूल्य (आरएमबी) | मात्रा (मी.टन) | मूल्य (आरएमबी) | मात्रा (मी.टन)            | मूल्य (आरएमबी) |
| घरेलू बाजार            | ***              | ***            | कुछ नहीं       | कुछ नहीं       | ---                       | ---            |
| भारत को निर्यात        | ***              | ***            | कुछ नहीं       | कुछ नहीं       | कुछ नहीं                  | कुछ नहीं       |
| तृतीय देशों को निर्यात | ***              | ***            | कुछ नहीं       | कुछ नहीं       | ---                       | ---            |



- (12) मन्ना निजी स्वामित्वाधीन व्यापारिक फर्म है, जो कि कोरिया जनवादी गणराज्य में अवस्थित है। मन्ना ने नई शिपर समीक्षा की जांच अवधि के दौरान टिआन्फू द्वारा आपूर्ति की गई \*\*\* मी.टन संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए थे, जिनका सकल बीजक मूल्य \*\*\* था।
- (13) मन्ना द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तरों में नई शिपर समीक्षा की जांच अवधि के दौरान, जांच अवधि से पूर्व और जांच अवधि के बाद, संबद्ध वस्तुओं की निम्नलिखित बिक्री स्थिति का दावा किया गया है:-

| ववधि                  | भारत को निर्यात   |                           | चरेलू बाजार की बिक्रियां |                           | तृतीय देशों को निर्यात |                           | कंपनी की कुल बिक्रियां |                           |
|-----------------------|-------------------|---------------------------|--------------------------|---------------------------|------------------------|---------------------------|------------------------|---------------------------|
|                       | मात्रा (कि.ग्रा.) | एफओबी मूल्य (बमरीकी डालर) | मात्रा (कि.ग्रा.)        | एफओबी मूल्य (बमरीकी डालर) | मात्रा (कि.ग्रा.)      | एफओबी मूल्य (बमरीकी डालर) | मात्रा (कि.ग्रा.)      | एफओबी मूल्य (बमरीकी डालर) |
| दूसरा विगत वर्ष- 2010 | ---               | ---                       | ---                      | ---                       | ---                    | ---                       | ---                    | ---                       |
| पहला विगत वर्ष- 2011  | ---               | ---                       | ---                      | ---                       | ---                    | ---                       | ---                    | ---                       |
| जांच की अवधि          |                   |                           |                          |                           |                        |                           |                        |                           |
| अप्रैल- 12            | ---               | ---                       | ---                      | ---                       | ---                    | ---                       | ---                    | ---                       |
| मई -12                | ***               | ***                       | ***                      | ***                       | ***                    | ***                       | ***                    | ***                       |
| जून -12               | ---               | ---                       | ---                      | ---                       | ---                    | ---                       | ---                    | ---                       |
| जुलाई - 12            | ***               | ***                       | ***                      | ***                       | ***                    | ***                       | ***                    | ***                       |
| अगस्त - 12            | ---               | ---                       | ---                      | ---                       | ---                    | ---                       | ---                    | ---                       |
| सितंबर - 12           | ***               | ***                       | ***                      | ***                       | ***                    | ***                       | ***                    | ***                       |

- (14) नई शिपर समीक्षा की जांच अवधि के दौरान, मन्ना, कोरिया जनवादी गणराज्य ने केवल टिआन्फू, चीन जनवादी गणराज्य से सामग्री अधिप्राप्त की थी और उसे भारत में असंबंधित आयातकों को बेचा था। सभी मामलों में टिआन्फू, चीन जनवादी गणराज्य द्वारा उत्पादों का लदान सीधे भारत को किया गया था।

#### घ. प्राधिकारी द्वारा जांच

12. पाटन-रोधी नियमावली के नियम 22 में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है:-

***“नियम 22 : ऐसे निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन, जिनकी मूल रूप से जांच नहीं की गई है।***

*(1) यदि किसी उत्पाद पर पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाता है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी संबंधित निर्यातक देश के किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक, जिसने जांच की अवधि के दौरान भारत को उस उत्पाद का निर्यात नहीं किया है, के लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ आवधिक*



समीक्षा करेंगे, बशर्ते कि निर्यातक अथवा उत्पादक यह सिद्ध करते हैं कि वे निर्यातक अथवा उत्पादक से संबद्ध नहीं हैं, जिन पर उस उत्पाद के लिए पाटन-रोधी शुल्क लगाया गया है।

(2) केन्द्रीय सरकार इस नियम के उप-नियम (1) में यथा संदर्भित निर्यातकों अथवा उत्पादकों से किए गए आयातों पर जांच अवधि के दौरान अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) के अंतर्गत पाटन-रोधी-शुल्क नहीं लगाएगी।

बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार अनंतिम आकलन करे और यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसी संस्तुति करते हों, तो आयातक से गारंटी प्राप्त करें और यदि ऐसी समीक्षा की परिणिति ऐसे उत्पादों अथवा निर्यातकों के संबंध में पाटन के निर्धारण में होती हो, तो ऐसे मामलों में यह समीक्षा की शुरुआत की तारीख से, भूतलक्षी प्रभाव से शुल्क अधिरोपित करेगी।”

13. विश्व व्यापार संगठन करार के अनुच्छेद 9.5 में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है:-

“9.5 यदि कोई उत्पाद एक आयातक सदस्य देश में पाटन-रोधी शुल्कों का विषय होता है, तो प्राधिकारियों को संबद्ध निर्यातक देश में ऐसे किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक के लिए पाटन के लिए विशिष्ट पृथक मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ तत्काल समीक्षा जांच शुरू करनी होगी, जिसने जांच अवधि के दौरान आयातक सदस्य देश को उत्पाद का निर्यात नहीं किया है, बशर्ते कि ऐसे निर्यातक अथवा उत्पादक यह प्रमाणित कर सकते हों कि वे निर्यातक देश में ऐसे किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक से संबंधित नहीं हैं, जिनके उत्पाद पर पाटन-रोधी शुल्क लग रहे हैं। ऐसी समीक्षा जांच, आयातक सदस्य देश में सामान्य शुल्क का मूल्यांकन करने और समीक्षा की कार्रवाई करने की अपेक्षाकृत त्वरित गति से शुरू और संचालित की जाएगी। जब तक ऐसी समीक्षा जांच की कार्रवाई चलती है, तब तक ऐसे निर्यातकों अथवा उत्पादकों पर कोई पाटन-रोधी शुल्क नहीं लगाया जाएगा। तथापि, प्राधिकारी मूल्यांकन को रोकें रखेंगे और/अथवा गारंटी देने का अनुरोध करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यदि ऐसी समीक्षा की परिणिति ऐसे उत्पादकों अथवा निर्यातकों के संबंध में पाटन के निर्धारण में होती हो, तो ऐसे मामलों में पाटन-रोधी शुल्क यदि ऐसी समीक्षा की परिणिति ऐसे उत्पादों अथवा निर्यातकों के संबंध में पाटन के निर्धारण में होती हो, तो पाटन-रोधी शुल्क, समीक्षा जांच शुरू करने की तारीख से, भूतलक्षी प्रभाव से लागू होंगे।”

14. उपरोक्त नियमावली और विश्व व्यापार संगठन के करार के प्रावधानों के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को संबद्ध निर्यातक देश में किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक के लिए विशिष्ट पृथक मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ जांच करनी आवश्यक होती है, जिसने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के संबंधित आयातों के बारे में पूर्व पाटन-रोधी जांच की जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात नहीं किए हों और यह कि आवेदक निर्यातक देश में किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक से संबंधित नहीं हो, जिस पर पाटन-रोधी शुल्क लग रहा है।

15. इस प्रकार जहां तक नई शिपर समीक्षा जांच का संबंध है, विश्व व्यापार संगठन के करार और पाटन-रोधी नियमावली का मुख्य उद्देश्य संबद्ध निर्यातक देश में ऐसे किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक के लिए विशिष्ट पृथक मार्जिन का निर्धारण करना है, जिसने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध उत्पाद का निर्यात नहीं किया है। तथापि, इसका अभिप्राय यह नहीं है कि ऐसा कोई भी निर्यातक, जिसने नई शिपर समीक्षा जांच की जांच अवधि के दौरान तुच्छ मात्रा में निर्यात किया है और जो भारत को संबद्ध वस्तुओं का निरंतर निर्यात करने में नहीं लगा हुआ है, विशिष्ट पृथक मार्जिन प्राप्त करने का स्वतः हकदार हो जाएगा। ऐसे उपागम से उन प्रचालकों को, जो कि रात्रि में ही उड़ना चाहते हैं, नियमावली का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और वे पाटन करने के



लाईसेंस के रूप में कुछ चरणों में प्रबंधित निर्यात कारोबार द्वारा निर्धारित किए गए अनुकूल पाटन मार्जिन प्राप्त करेंगे।

16. संबद्ध समीक्षा चीन जन.गण. में उत्पादित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में दिनांक 25 अगस्त, 2011 की केन्द्र सरकार की अधिसूचना सं. 82/2011-सी.शु. (ए डी डी) द्वारा आरोपित निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क के संबंध में अलग-अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए मै0 हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) तथा मै0 माना कोरिया जन.गण. (निर्यातक) द्वारा किए गए आवेदन और दी गई सूचना के आधार पर शुरू की गई थी और उपर्युक्त नियमावली के नियम 22 के अनुसार इस समीक्षा को पूरा किए जाने तक मै0 हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) तथा मै0 माना कोरिया जन.गण. (निर्यातक) द्वारा किए गए पी वी सी फ्लैक्स फिल्म के आयातों के सभी निर्यातों पर इस प्राधिकारी ने अनंतिम आकलन की सिफारिश की। तदनुसार, केन्द्र सरकार के राजस्व विभाग के दिनांक 14 मई, 2012 की अधिसूचना सं. 24/2012-सी.शु (एडीडी) और शुद्धिपत्र अधिसूचना दिनांक 15 जून, 2012 के माध्यम से वर्तमान एनएसआर जांच को पूरा होने तक मै0 हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) तथा मै0 माना कोरिया जन.गण. (निर्यातक) द्वारा किए गए संबद्ध वस्तुओं के सभी निर्यातों पर अनंतिम आकलन अधिसूचित किया। उक्त अधिसूचना में यह उल्लेख किया गया था कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा न्यू शिपर समीक्षा के परिणाम आने तक, चीन जन.गण. में उत्पादित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं की भारत में मै. हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) तथा मै0 माना कोरिया जन.गण. (निर्यातक) द्वारा आयात इस समीक्षा के पूरा होने तक आंशिक आकलन के अधीन होगा। इस बात का भी उल्लेख किया गया था कि आंशिक आकलन ऐसे सुरक्षा राशि अथवा गारंटी के अधीन हो सकता है जिसे सीमाशुल्क के उचित अधिकारी भुगतान के लिए उचित समझते हैं अथवा यदि निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क पूर्व की तिथि से लगाया जाता है तब निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच पूरी की जा सकती है। इसके अलावा, यह उल्लेख किया गया था कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उक्त समीक्षा के पूरा होने के पश्चात यदि पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की जाती है तब आयातक को उक्त समीक्षा के शुरू होने की तिथि से ऊपर उल्लिखित पक्षकारों के संबंध में चीन जन.गण. में उत्पादित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाएगा और समीक्षा होने पर इस प्रकार के पाटनरोधी शुल्क की राशि का भुगतान करने की सिफारिश की जाएगी।

17. इस जांच के शुरू होने के बाद, मै0 हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) तथा मै0 माना कोरिया जन.गण. (निर्यातक) ने जांच की अवधि के दौरान भारत में उनके द्वारा किए गए आयातों के दावे के संबंध में निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया। मै0 हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) ने बाजार अर्थव्यवस्था बर्ताव का दावा करने के लिए एमईटी प्रश्नावली का उत्तर भी प्रस्तुत किया।

18. जहां तक मै. हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के दावे का प्रश्न है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार, किसी गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन किया जा सकता है यदि चीन जन.गण. से निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ 3 में विशिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करते हैं और ठीक इसके विपरीत तथ्यों को सिद्ध करते हैं। चीन जनतांत्रिक गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के प्रतिवादी निर्यातकों/उत्पादकों से यह अपेक्षित है कि वे प्राधिकारी को निम्नलिखित मानदंडों पर विचार करने में सक्षम होने के लिए बाजार अर्थव्यवस्था बर्ताव प्रश्नावली के उत्तर में पैराग्राफ-8 के उप पैराग्राफ-3 में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें कि:



- (क) क्या कच्चे माल, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्री और निवेश सहित कीमतों, लागतों और इनपुट्स के संबंध में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों के निर्णय बाजार के संकेतों के प्रतिक्रियास्वरूप किये जाते हैं जो इस संबंध में आपूर्ति और मांग को दर्शाता है और राज्य के न्यूनतम हस्तक्षेप को दर्शाता है और साथ ही प्रमुख इनपुट्स की लागतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्य को प्रतिबिंबित करता है;
- (ख) क्या ऐसे फर्मों के उत्पादन की लागत और वित्तीय स्थिति विशेष रूप से परिसंपत्तियों के ह्रास, अन्य बट्टे-खाते डालने, विनिमय व्यापार और ऋण के मुआवजे के माध्यम से भुगतान के संबंध में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था, प्रणाली से पर्याप्त परिवर्तनों के अध्यधीन हैं;
- (ग) क्या ऐसे फर्म दिवालियापन और संपत्ति कानून के अध्यधीन हैं जो इन फर्मों के प्रचालन के लिए कानूनी निश्चितता और स्थायित्वता की गारंटी लेते हैं और
- (घ) क्या विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर की जाती है।

19. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै0 हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. ने बाजार अर्थव्यवस्था बर्ताव के लिए अपने दावे को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हैं। इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि डब्ल्यू टी ओ के सदस्य देशों में से किसी भी देश ने संगत मानदंड के नवीनतम विस्तृत मूल्यांकन, जिसमें उप-पैराग्राफ 8(3) में उल्लिखित मानदंड शामिल है, के आधार पर चीन के उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया है। किसी भी देश ने चीन को विस्तृत मूल्यांकन प्रक्रिया और परीक्षण का अनुपालन करने के बाद बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का दर्जा नहीं दिया है। चीन जन.गण.एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और इसे भारतीय प्राधिकारी तथा अन्य जांच प्राधिकारियों द्वारा अनेक जांच में सही पाया गया है। इसके अलावा, बाजार अर्थव्यवस्था और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के बर्ताव पर विचार करना सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए संगत है जिसे इस प्रकटन विवरण में विस्तार में दिए गए कारणों से वर्तमान समीक्षा जांच में नहीं लिया गया है।

20. आवेदकों द्वारा प्रस्तुत ई क्यू के उत्तरों के अनुसार, जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मामूली मात्रा के निर्यात को छोड़कर न तो उत्पादक और न ही संबंधित निर्यातक ने जांच की अवधि के बाद के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। दिलचस्प बात यह है कि माना, कोरिया ने जांच की अवधि के पूर्व अथवा जांच की अवधि के बाद भारत में संबद्ध वस्तुओं की एक खेप का भी निर्यात नहीं किया है। उपलब्ध सूचना के अनुसार, संबंधित भारतीय आयातक मै0 हरिहर ट्रेडर्स ने भी जांच की अवधि के पूर्व अथवा जांच की अवधि के बाद के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है।

21. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान मै0 हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) तथा मै0 माना कोरिया जन.गण. (निर्यातक) ने दावा किया है कि इसने भारत में संबद्ध वस्तुओं का \*\*\* मी.ट. की एक मामूली मात्रा का निर्यात किया है। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा इस आशय के दिनांक 14 मई, 2012 के अनंतिम आकलन अधिसूचना सं. 24/2012-सी.शु. (एडीडी) के बावजूद आज तक एनएसआर जांच की अवधि के बाद भारत में संबद्ध वस्तुओं की एक खेप भी निर्यात नहीं किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी पर न्यू शिपर समीक्षा के परिणाम लंबित रहने तक, मै0 हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) तथा मै0 माना कोरिया जन.गण. (निर्यातक) द्वारा चीन में उत्पादित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं का आयात भारत में करना इस समीक्षा के पूरा होने तक आंशिक आकलन के अध्यधीन होगी। यह साफ दर्शाता है कि आवेदक का इरादा स्पष्ट रूप से किसी प्रकार से भारत में संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों की मामूली मात्रा के आधार पर न्यूनतम अथवा शून्य शुल्क प्राप्त करना था और उसके पश्चात् यह भारत में कुछ दिखावे के रूप में



लेन-देन के माध्यम से न्यूनतम अथवा शून्य पाटन मार्जिन की सहायता से भारत में पाटन की गति तेज करना था। इसके अलावा, आवेदक का इरादा इस तथ्य से भी सिद्ध होता है कि उन्होंने चल रही निर्णायक समीक्षा जांच में भाग नहीं लिया है और न ही उसमें सहयोग किया है। आवेदक मूल जांच में अंतिम जांच परिणाम के माध्यम से शुल्क का स्तर और अन्य विवरण से बहुत अच्छी तरह से अवगत हैं और उसके द्वारा उन्हें पूर्व निर्धारित तरीके से अपनी कीमतों को कृत्रिम रूप से निर्धारित करने का अवसर मिल गया था। यद्यपि, मै0 हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) ने भारी घरेलू बिक्री का दावा किया है फिर भी उन्होंने निर्यातक के कुल व्यापार की तुलना में इस जांच की अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं का बहुत कम मात्रा में निर्यात किया।

22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान मै0 हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) ने तीसरे देश को संबद्ध वस्तु का 38.65 मी.ट. की मामूली मात्रा का निर्यात किया है। यह साफ दर्शाता है कि आवेदक का इरादा स्पष्ट रूप से किसी प्रकार से कुछ दिखावे के रूप में लेन-देन के माध्यम से तथा छद्म निर्यातक और आयातक की सहायता से भारतीय प्राधिकारी से एक अलग पाटन मार्जिन प्राप्त करना था ताकि वे भारत में संबद्ध वस्तुओं को पाटित करते रहने की स्थिति में हों।

23. उपलब्ध सूचना के अनुसार प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबंधित निर्यातक माना, कोरिया ने जांच की अवधि के पूर्व तथा जांच की अवधि के बाद के दौरान भारत में संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है। यह केवल एन एस आर जांच की अवधि के दौरान ही आवेदक उत्पादक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की मामूली मात्रा के निर्यात में शामिल है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबंधित चीनी उत्पादक जांच की अवधि के पूर्व संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और बिक्री में शामिल नहीं हो सकते हैं परंतु माना, कोरिया जांच की अवधि के पूर्व अथवा जांच की अवधि के बाद के दौरान भारत को अथवा तीसरे देशों को संबद्ध वस्तु का निर्यात कर सकता था। परंतु माना, कोरिया द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार यह प्राधिकारी निर्विवाद रूप से यह मानते हैं कि इसे एनएसआर जांच की अवधि के दौरान भारत के साथ दिखावे के लेन-देन के लिए सृजित अथवा शामिल किया गया है।

24. उपलब्ध सूचना के अनुसार प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय निर्यातक जो जांच की अवधि के दौरान निर्यात लेन-देन में शामिल था, ने जांच की अवधि के पूर्व अथवा जांच की अवधि के बाद की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का कोई निर्यात नहीं किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि भारतीय आयातक को भी एनएसआर जांच की अवधि के दौरान अनुचित लेन-देन के कार्य को आसान बनाने के लिए दिखावे के रूप रखा गया है। यह इस तथ्य से सिद्ध होता है कि संबंधित आयातक ने अनुरोध के बावजूद संगत सूचना और कागजातों के साथ-साथ प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया।

25. मै0 हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, उन्होंने तीसरे देश को मामूली मात्रा में निर्यात किया है परंतु यह निर्यात भारत में उनके निर्यात की तुलना में अपेक्षाकृत कम कीमत पर किया गया है। आगे यह सिद्ध होता है कि एनएसआर जांच की अवधि के दौरान भारत में हेनिंग तियानफू द्वारा किए गए निर्यात दिखावे के थे और उसका स्पष्ट उद्देश्य अनुकूल पाटन मार्जिन प्राप्त करना था।

26. पाटनरोधी नियमावली और एनएसआर के संबंध में डब्ल्यू टी ओ करार में प्रावधानों के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे प्रश्नगत निर्यातक देश में किसी निर्यातक अथवा उत्पादक जिसने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पूर्व की पाटनरोधी जांचों के जांच की अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है, के लिए पाटन के अलग-अलग मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजन से समीक्षा करें और और इस बात की भी समीक्षा करें कि आवेदक निर्यातक देश जो पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन हैं, में निर्यातकों और उत्पादकों में से किसी से संबंधित नहीं हैं। वर्तमान मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद जिसमें संबंधित चीनी उत्पादक ने जांच की अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं की मामूली



मात्रा का निर्यात किया है और सतत् अनंतिम आकलन के बावजूद उसके बाद भारत में कोई निर्यात नहीं किया है, जिसमें संबंधित कोरियाई निर्यातक ने जांच की अवधि के दौरान अथवा जांच की अवधि के बाद या तो भारत अथवा तीसरे देशों में संबद्ध वस्तुओं का कोई निर्यात नहीं किया है और न ही देश में उसकी बिक्री की है। यहां तक कि संबंधित भारतीय निर्यातक ने जांच की अवधि के पूर्व अथवा जांच की अवधि के बाद के दौरान किसी अन्य देश अथवा संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का कोई आयात नहीं किया है और इस प्राधिकारी द्वारा अनुरोध के बावजूद आयातक के प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया। ऐसी परिस्थितियों में प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसा लगता है कि समग्र लेन-देन पाटन को आसान बनाने के लिए अनुकूल पाटन मार्जिन प्राप्त करने हेतु दिखाने के लिए किया गया है। संपूर्ण मामले के तथ्य से एनएसआर मार्ग के माध्यम से पाटनरोधी शुल्क का लाभ उठाने के एकमात्र उद्देश्य से जानबूझकर यह व्यवस्था करने का संकेत मिलता है।

27. नियम 22 के अंतर्गत समीक्षा की प्रकृति ऐसे निर्यातक/उत्पादक के लिए अलग-अलग मार्जिन का निर्धारण करने के परिभाषित उद्देश्य से मामला विशिष्ट है जो मूल जांच के दौरान प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से नहीं था अथवा निर्यात नहीं किया। परंतु इस प्रावधान में पाटन करने के लाइसेंस के रूप में एक अलग पाटन मार्जिन प्राप्त करने के कथित उद्देश्य से सृजित छद्म प्रतिष्ठान को समर्थ बनाने पर विचार नहीं करता है। चीन में प्रचलित गैर बाजार प्रणाली के रूप में, असंबंधित को अलग करना संभव नहीं है और एक न्यू शिपर जांच पहलू में जहां तक संबंध के पहलू का प्रश्न है, न्यू शिपर आवेदकों द्वारा किए गए दावों में सच्चाई को सिद्ध करने के लिए संबंधित प्रतिष्ठानों की पहचान करना भी संभव नहीं है। इस प्रकार से नियम 22 का उद्देश्य और आशय किसी भी व्यक्ति अथवा प्रत्येक व्यक्ति को न्यू शिपर के रूप में अनुमति नहीं देने का है और भारत में संबद्ध वस्तुओं के निर्यात में उनकी गंभीरता और सतत् भागीदारी और आवेदकों के लहजे का विश्लेषण किए बिना अलग-अलग पाटन मार्जिन का लाभ देना है। न्यू शिपर समीक्षा का उद्देश्य न्यू शिपरों को बचे हुए शुल्क का बोझ लिए बिना निर्यात करना जारी रखने के लिए सक्षम बनाना और रात्रिकालीन प्रचालकों द्वारा फ्लाय को आसान बनाने के लिए एक मार्ग बनाना नहीं है।

28. वर्तमान जांच में मै0 हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि. (उत्पादक), ने आज की तारीख तक जांच की अवधि के बाद के दौरान किसी सतत् निर्यात क्रियाकलापों के बिना जांच की अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं का मामूली मात्रा में निर्यात किया है और संबंधित निर्यातक और आयातक, दोनों ने जांच की अवधि के पूर्व अथवा जांच की अवधि के बाद संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों में अपनी भागीदारी को कागजात से संबंधित साक्ष्य नहीं दर्शाए हैं। इस कारण से प्राधिकारी नोट करते हैं कि समग्र एनएसआर अवधि का कार्य निष्पादन को आवेदक द्वारा पाटन जारी रखने और संबद्ध वस्तुओं पर लगाए गए शुल्क से बचने के दूर के उद्देश्य से शून्य अथवा निम्न पाटन मार्जिन प्राप्त करने के लिए दिखावे के लिए किया गया है।

#### **प्रकटन पश्चात् टिप्पणियां**

29. प्रकटन के पश्चात् एनएसआर आवेदकों से निम्नलिखित टिप्पणियां प्राप्त हुई हैं :

- i. आवेदक, जांच की अवधि के दौरान उनके द्वारा किए गए निर्यातों के आधार पर अलग-अलग मार्जिन प्राप्त करने के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अनुसार न्यू शिपर के रूप में पात्र हैं।
- ii. इस प्राधिकारी द्वारा व्यक्त की गई चिंताएं कि समग्र एनएसआर अवधि के दौरान कार्य निष्पादन दिखावे के रूप में किया गया है, का कोई आधार नहीं है।
- iii. एनएसआर जांच में जांच की अवधि के बाद निर्यात के लिए कोई कानूनी अपेक्षा नहीं है।
- iv. जांच की अवधि के बाद कोई निर्यात नहीं किया जा सकता है क्योंकि क्रेता पाटनरोधी शुल्क का भुगतान करने के बाद अथवा बाध्यतावश खरीदने के लिए तैयार नहीं थे।



## 30. प्रकटन के पश्चात् घरेलू उद्योग से निम्नलिखित टिप्पणियां प्राप्त हुई हैं :

- i. यदि वास्तव में चीनी उत्पादक का भारतीय बाजार में बहुत बड़ा हित था, तब वे जांच की अवधि के पूर्व और जांच की अवधि के बाद भारतीय बाजार में विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किए होते।
- ii. आवेदकों द्वारा निर्यात किए गए संबद्ध वस्तुओं की मात्रा पर किसी वाणिज्यिक मात्रा के रूप में विचार नहीं किया जा सकता है।
- iii. निश्चित रूप से ऐसी स्थिति नहीं हो सकती है कि निर्यातक पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए वाणिज्यिक मात्रा के रूप में इन मात्राओं पर विचार करते हों और साथ ही इस बात का तर्क देते हों कि यह लागू पाटनरोधी शुल्क के कारण नियमित वाणिज्यिक निर्यात करने में सक्षम नहीं हुआ है।
- iv. यदि निर्यातक निर्यात लेन-देन के रूप में इन लेन-देनों को कर सकते हैं और इनका वाणिज्यिक मात्रा के रूप दावा करते हों तब आवेदक को और अधिक मात्रा में निर्यात करने से कोई भी स्थिति रोक नहीं सकती थी। इस प्रकार निर्यातक द्वारा किए गए निर्यात पर विचार इस नियमावली के तात्पर्य के भीतर निर्यात के रूप में नहीं किया जा सकता है।
- v. आवेदक ने चालू निर्णायक समीक्षा जांच में भाग भी नहीं लिया है और न ही सहयोग किया है।
- vi. आवेदक का मूल उद्देश्य भारत में संबद्ध वस्तुओं का पाटन करना जारी रखने के लिए अलग पाटन मार्जिन प्राप्त करना था।
- vii. आवेदक का उद्देश्य भारत में और अधिक पाटन करना आसान बनाने के लिए संबद्ध वस्तुओं के निर्यात की मामूली मात्रा के आधार पर निम्नतम अथवा शून्य शुल्क प्राप्त करना था। एनएसआर जांच की जांच की अवधि के दौरान निर्यात की मामूली मात्रा के साथ और भारत में संबद्ध वस्तुओं के निर्यात में बिना किसी सतत् भागीदारी के कोई निर्यातक अलग-अलग पाटन मार्जिन प्राप्त करने का कभी भी हकदार नहीं हो सकता है।
- viii. कानून के अंतर्गत किसी निर्यातक से तात्पर्य किसी कंपनी से होता है जो उत्पाद का नियमित रूप से निर्यात करता रहा हो। वर्तमान मामले में कोरियाई कंपनी ने विगत में अथवा जांच की अवधि के बाद भारतीय बाजार में कोई आपूर्ति नहीं की है। कोरियाई कंपनी ने जांच की अवधि के पूर्व अथवा जांच की अवधि के बाद की अवधि में तीसरे देशों में विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है। इस प्रकार से आवेदक द्वारा किया गया यह दावा कि शिपिंग कंपनी "एक निर्यातक" है को अस्वीकार किया जाना आवश्यक है।
- ix. कोई कंपनी जिसका भारत में अथवा तीसरे देश में विगत में कोई निर्यात, जांच की अवधि के दौरान भारत में मामूली निर्यात, जांच की अवधि के दौरान तीसरे देशों में कोई निर्यात और जांच की अवधि के बाद तीसरे देशों अथवा भारतीय बाजार में कोई निर्यात नहीं हुआ है, "निर्यातक" के रूप में दर्जा प्राप्त करने का दावा नहीं कर सकता है।
- x. कोरियाई व्यापारी ने स्पष्ट रूप से दर्शाया है कि कोरियाई व्यापारी कोरिया में एक "फ्लाई बाई नाइट" कंपनी है, जिसे स्पष्ट रूप से वर्तमान समीक्षा प्राप्त करने के एकमात्र उद्देश्य से बनाया गया है।



- xi. कोरिया में एक ट्रेडिंग कंपनी बनाने के लिए कोई ठोस औचित्य की आवश्यकता नहीं होती है जो चीन से विचाराधीन उत्पाद को खरीदेगा और भारतीय बाजार में बेचेगा। कोरिया में इस कंपनी को बनाने का एकमात्र उद्देश्य प्रयास किए गए अपवाद को प्राप्त करने के साथ ही "भारत में निर्यात का प्रबंध करना" है।

31. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदकों द्वारा किए गए अनुरोध उनके पूर्व में किए गए अनुरोध/तर्क की पुनरावृत्ति मात्र है, जिनका उचित रूप से समाधान वर्तमान जांच परिणाम में किया गया है। इसके बावजूद संक्षिप्तता की लागत पर, प्राधिकारी दोहराते हैं कि समग्र एनएसआर अवधि का कार्य निष्पादन संबंधित एनएसआर आवेदकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं पर लगाए गए शुल्क से बचने और पाटन को जारी रखने के अंतिम उद्देश्य से या तो शून्य अथवा निम्न पाटन मार्जिन प्राप्त करने के लिए दिखावे के रूप में किया गया है। वर्तमान जांच के पूरा होने तक अनंतिम आकलन की सतत् वैधता के बावजूद आवेदकों ने जांच की अवधि के दौरान ही मामूली मात्रा में अपने निर्यात को सीमित करना पसंद किया और वेट एंड वॉच की नीति के रूप में अपने निर्यात क्रियाकलाप को जारी नहीं रखा। ऊपर में उल्लेख की गई परिस्थितियों में प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का भुगतान किए बिना मै0 हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) तथा मै0 माना कोरिया जन.गण. (निर्यातक) द्वारा संबद्ध वस्तुओं के द्वारा किए गए निर्यात का अनुमोदन करना उचित नहीं हो सकता है।

#### **निष्कर्ष और सिफारिशें**

32. इन तथ्यों और स्थितियों जिनका उल्लेख ऊपर किया गया है, के आधार पर, जिनमें समग्र लेन-देन पाटन को आसान बनाने के लिए अनुकूल पाटन मार्जिन प्राप्त करने हेतु दिखावे के लिए किया गया है, प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि न्यू शिपर समीक्षा आवेदक अर्थात् मै0 हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) तथा मै0 माना कोरिया जन.गण. (निर्यातक) को पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अंतर्गत न्यू शिपर के रूप में उन्हें मानकर अलग-अलग पाटन मार्जिन नहीं दिया जा सकता है। अतः प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि वर्तमान एनएसआर जांच जिसमें दिनांक 12 अप्रैल, 2012 के अनंतिम आकलन अर्थात् अधिसूचना सं. 15/23/2011-डीजीएडी की सिफारिश की गई है, के शुरू होने की तिथि से उक्त अवधि के दौरान मै. हेनिंग तियानफू वार्प निटिंग कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) तथा मै0 माना कोरिया जन.गण. (निर्यातक) द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के निर्यात पर पूर्व में अधिसूचित अधिसूचना सं. 82/2011-सी.शु. (एडीडी) दिनांक 25 अगस्त, 2011 और उसमें विस्तार के लिए जारी की गई अधिसूचना सं. 43/2015-सी.शु. (एडीडी) दिनांक 18 अगस्त, 2015 के माध्यम से उक्त शुल्क की वैधता की तिथि तक चीन जन.गण. में उत्पादित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयात पर पूर्व में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को 0.538 अम.डॉ./कि.ग्रा. की दर से लगाया जा सकता है।

33. इस जांच परिणाम से उत्पन्न केन्द्र सरकार के आदेशों के विरुद्ध अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

ए. के. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी



## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

## (DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 29th June, 2016

## FINAL FINDINGS

**Subject:** New Shipper Review under Rule 22 of Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 in respect of the Anti-Dumping Duty imposed on the imports of PVC Flex Film, originating in or exported from China PR, as requested by M/s HainingTianfu Warp Knitting Co. Ltd, China PR (Producer) and M/s Manna, Korea RP (Exporter).

**No. 15/23/2011- DGAD.**-Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

**A. Background of the Case**

2. Whereas, in the original investigation, the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) recommended, inter alia, imposition of anti-dumping duty on the imports of 'PVC Flex Films' (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the subject country), falling under Chapter 39 of the Customs Tariff Act, 1975, under Tariff Sub-Heading Nos. 39201019, 39201012, 39204900, 39219026, 39219029, 39269099, 39199090, 39181090, 39189090, vide Final Finding Notification No. 14/4/2010-DGAD dated 29th July, 2011 and accordingly, imposition of the anti-dumping duty was notified by the Central Government vide Notification No. 82/2011-Customs (ADD) dated 25th August, 2011.
3. Whereas, pursuant to the notification for imposition of anti-dumping duty on the imports of the subject goods from the subject country, M/s HainingTianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) and M/sManna, Korea RP (Exporter) (hereinafter referred to as the applicants) filed an application before the Authority in accordance with the Customs Tariff Act and Rule 22 of the Anti-Dumping Rules, claiming individual margins.
4. The Authority, having been prima facie satisfied with the conditions laid down under Rule 22 of Anti-dumping Rules, initiated a New Shipper Review investigation, vide Notification No.15/23/2011-DGAD dated 12th April, 2012, for determination of individual dumping margin for the purpose of imposition of the anti-dumping duties levied on the dumped imports of PVC Flex Film, originating in or exported from China PR, in respect of M/s HainingTianfu Warp Knitting Co. Ltd, China PR (Producer) and M/sManna, Korea RP (Exporter). The period of investigation for the purpose of this new shipper review was fixed by the Authority as 1st April, 2012 to 30th September, 2012 (6 months). A Corrigendum to the aforesaid initiation notification was issued on 1st June, 2012.
5. Having initiated the subject NSR investigation, the Authority recommended provisional assessment of all exports of the subject goods made by M/s. HainingTianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) and M/s Manna, Korea RP (Exporter), till completion of the new shipper review, in accordance with the Rule 22 of the Anti-dumping Rules and having regard to Notification No. 82/2011-Customs (ADD) dated 25th August, 2011 and No. 24/2012-Customs(ADD) dated 14th May, 2012, a Corrigendum to Notification No. 24/2012-Customs (ADD) dated 14th May, 2012 was issued vide Notification No. 24/2012-Customs (ADD) dated on 15th June, 2012.
6. The Department of Revenue, Central Government, notified the provisional assessment on all exports of the subject goods made by M/s. HainingTianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) and M/s Manna, Korea RP (Exporter), till completion of the present NSR investigation, vide Notification No.24/2012-Customs (ADD) dated 14th May, 2012 and the corrigendum notification dated 15th June, 2012. The said notification stated that pending the outcome of the new shipper review by the Designated Authority, the imports of subject goods in to India, originating in or exported from China PR, by M/s. HainingTianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) and M/s Manna, Korea RP (Exporter), shall be subjected to provisional assessment till the review is completed. It also stated that the provisional assessment may be subject to such security or guarantee as the proper officer of customs deems fit for payment, if any, in case a definitive anti-dumping duty is imposed retrospectively, on completion of investigation by the designated authority. It further stated that in case of recommendation of anti-dumping duty after completion of the said review by the designated authority, the importer shall be liable to pay the amount of such anti-dumping duty recommended on review and imposed on all imports of subject goods, when originating in or exported from China PR, in respect of the above stated parties, from the date of initiation of the said review.



7. During the pendency of the present new shipper review, the Authority initiated sunset review investigations vide Notification No. 15/13/2015-DGAD dated 27.07.2015 on the basis of an application filed by M/s Pioneer Polyleathers Ltd and M/s. SRF Ltd., to examine whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. The period of investigation (POI) for the SSR was determined as April, 2014 – March 2015. The relevant anti-dumping duty, imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR, was extended by the Central Government vide Notification No. 43/2015-Customs (Anti-dumping Duty) dated 18th August, 2015.

#### **B. Procedure**

8. The procedure described below has been followed with regard to the present investigation:
- i. The Authority issued a public notice vide Notification No. 15/23/2011- DGAD dated 12th April, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject NSR anti-dumping investigation.
  - ii. The Authority forwarded a copy of the initiation notification to the NSR applicants along with a copy of the exporter's questionnaire and gave them opportunity to make their views known in writing.
  - iii. The Authority also forwarded a copy of the initiation notification to the concerned embassy in India.
  - iv. The Authority forwarded a copy of the initiation notification to the known domestic producers in India and gave them opportunity to make their views known in writing.
  - v. In response to the initiation notification, response in the form of Exporters Questionnaire was filed by M/s. HainingTianfu Warp Knitting Co. Ltd, China PR (Producer) and M/s Manna, Korea RP (Exporter), the applicants for NSR.
  - vi. M/s. HainingTianfu Warp Knitting Co. Ltd, China PR (Producer) also filed questionnaire response claiming market economy treatment (MET).
  - vii. The Authority made available non-confidential version of the evidences, presented by various interested parties, in the form of a public file, kept open for inspection by the interested parties.
  - viii. The Authority held an oral hearing on 5th November, 2014 to hear the interested parties orally. The interested parties present at the time of the oral hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally and were also given an opportunity to file rejoinders to the views expressed by other interested parties. The Authority provided another opportunity of oral hearing to the interested parties on 4th May, 2016 consequent upon change in the incumbent Designated Authority and in line with the judgment dated 7th January, 2011 of the Hon'ble Supreme Court in the Automotive Tyre Manufacturers Association (ATMA) Case vide Civil Appeal No. 949 of 2006.
  - ix. A disclosure statement was issued by the Authority on 21<sup>st</sup> June, 2016 disclosing the essential facts of the investigation.
  - x. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, including comments made by them post disclosure, have been examined and addressed in this finding.
  - xi. Investigation was carried out for the period of investigation (POI) starting from 1st April, 2012 to 30th September, 2012 (6 months).
  - xii. \*\*\*represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.



**C. Submissions by the interested parties.**

9. The submissions made by the NSR applicants during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
  - i. The applicants have not exported the PUC to India during the POI of the original investigation and are not related to any of the exporters or producers in the subject country who are subject to anti-dumping duty.
  - ii. The applicants have fulfilled the requirement under Rule 22 of the anti-dumping rules for seeking individual dumping margins.
  - iii. The argument of the domestic producer that the present investigation is infructuous in view of the SSR investigation initiated by the Authority has no legal tenability.
  - iv. The contention of the domestic producer that the 'new shipper' should have participated in the ongoing SSR investigation has no legal basis. Any review investigation concerning PUC shall be applicable only after conclusion of the present NSR investigation.
  - v. India is a signatory to WTO Agreement and is bound by the legal provisions of AD Agreement. The present new shipper investigation, initiated as per the domestic law and Rule 22 of AD Rules, is in conformity WTO law and WTO jurisprudence.
  - vi. The POI fixed in the present investigation is in line with the decision of Hon'ble Delhi High Court in the matter of H&R Johnson (India) Ltd. vs. Union of India.
10. Submissions made by the domestic producers during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
  - i. Rule 22 has been found to have been misused by a number of exporters/producers all over the world. The applicants in the present review investigation may misuse the legal provision. The applicants are aware of the level of duty and other details through the final findings in the original case and have the opportunity to manipulate his prices in a pre-determination manner.
  - ii. The evidences provided by the petitioners are equally vague and grossly insufficient to establish that the petitioners are eligible as new shipper.
  - iii. Prior to initiation of the investigation, the applicants were not the producers or exporters of subject goods to India. A party who has never exported the product in the exporting country till the filing of petition cannot qualify for applying for initiation of new shipper review under Rule 22. Therefore, the new shippers were not entitled to initiation of investigation.
  - iv. The period of investigation should be retrospective and not prospective. The new shipper must have actually exported the subject goods prior to filing of NSR application. The applicant may export at a higher price for the prospective period and get favourable low dumping margins.
  - v. The period of review has to be fixed for the purpose of initiation of NSR investigation and the transactions taking place during the course of investigations will be relevant for the determination of individual dumping margin.
  - vi. The importer of the subject goods does not appear to have filed importer's questionnaire response.
  - vii. The present investigation has become infructuous as the original anti-dumping duty has expired and SSR investigation has been initiated by the Authority.
  - viii. SSR investigation has been initiated by the Authority on 27.7.2015 and the applicant producer and exporter are non-cooperative in the ongoing SSR investigation. In a situation where the exporters have not cooperated in the SSR investigation, they will be subject to residual category.
  - ix. The applicant producer should not be treated as a manufacturer as they are producer of fabric only. The applicant producer has purchased lamination line subsequent to imposition of Anti-Dumping Duty.



- x. The applicants have claimed market economy status in the present investigation. It is submitted that China is a non-market economy country and the applicants do not qualify to be treated as operating in market economy conditions.
11. In the questionnaire responses filed by M/s. HainingTianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) and Manna, Korea (exporter), the following claims have been made:
- HainingTianfu Warp Knitting Co. Ltd. (hereinafter referred to as Tianfu) is a privately owned company.
  - The shares of Tianfu are held by private Chinese individuals and it has no government relationship or control.
  - There is no relation between Tianfu and any other company engaged in production and sale of PVC Flex Film.
  - Tianfu has only one factory involved in production of the subject product.
  - There are no subsidiaries or related companies either in China or in any other country including India, which are involved in production of product under consideration.
  - In the domestic market of China, the Company sells the product concerned directly to end-users.
  - The exports to India have been made by Manna, Korea RP (exporter). Tianfu sold the subject goods to Manna, Korea and made arrangements for physical transportation of the goods directly to the Indian customer. Invoices were raised by Tianfu on Manna, Korea, who then raised invoices on the Indian customer. The goods moved directly from China to India.
  - Manna made payment to Tianfu as per agreed upon payment terms.
  - Two raw materials involved in the production of PUC are PVC Film and Fabric. The company purchases PVC Film from the market and captively produces the Fabric. The PVC Film and Fabric is laminated with the help of a laminating machine and there after the roll packing is done to complete the production process.
  - Tianfu got Business license for the subject goods on 26.01.2011 and the company set up the plant to produce the subject goods thereafter. Therefore, he is entitled for new shipper review.
  - Sales details of Tianfu during the original POI, NSR POI and post NSR POI are as under:

|                           | NSR POI  |             | Original POI |             | Post NSR period to till date |             |
|---------------------------|----------|-------------|--------------|-------------|------------------------------|-------------|
|                           | Qty (MT) | Value (RMB) | Qty (MT)     | Value (RMB) | Qty (MT)                     | Value (RMB) |
| Domestic market           | ***      | ***         | None         | None        | -                            | -           |
| Export to India           | ***      | ***         | None         | None        | None                         | None        |
| Export to Third countries | ***      | ***         | None         | None        | -                            | -           |

- Manna is a personal proprietorship trading firm based in Korea RP. Manna exported \*\*\* MT of the subject goods supplied by Tianfu during the NSR POI for the gross invoice value of \*\*\*.
- In the EQ response filed by Manna, the following sales position of subject goods during NSR POI, pre POI and post POI has been claimed:



| Period                  | Exports to India |                 | Domestic Market Sales |                 | Exports to Third Countries |                 | Total Sales of the Company |                 |
|-------------------------|------------------|-----------------|-----------------------|-----------------|----------------------------|-----------------|----------------------------|-----------------|
|                         | QTY (Kg)         | FOB Value (USD) | QTY (Kg)              | FOB Value (USD) | QTY (Kg)                   | FOB Value (USD) | QTY (Kg)                   | FOB Value (USD) |
| 2nd Previous Year -2010 | -                | -               | -                     | -               | -                          | -               | -                          | -               |
| 1st Previous Year-2011  | -                | -               | -                     | -               | -                          | -               | -                          | -               |
| Period of Investigation |                  |                 |                       |                 |                            |                 |                            |                 |
| Apr-12                  | -                | -               | -                     | -               | -                          | -               | -                          | -               |
| May-12                  | ***              | ***             | -                     | -               | -                          | -               | ***                        | ***             |
| Jun-12                  | -                | -               | -                     | -               | -                          | -               | -                          | -               |
| Jul-12                  | ***              | ***             | -                     | -               | -                          | -               | ***                        | ***             |
| Aug-12                  | -                | -               | -                     | -               | -                          | -               | -                          | -               |
| Sep-12                  | ***              | ***             | -                     | -               | -                          | -               | ***                        | ***             |

- xiv. During the NSR POI, Manna, Korea procured the materials from Tianfu, China only and sold them to the unrelated Indian importers. In all cases, the products were shipped by Tianfu, China to India directly.

#### **D. Examination by the Authority**

12. Rule 22 of the Anti-Dumping Rules provides as follows –

***“22. Margin of dumping, for exporters not originally investigated.***

*(1) If a product is subject to anti-dumping duties, the designated authority shall carry out a periodical review for the purpose of determining individual margins of dumping for any exporters or producers in the exporting country in question who have not exported the product to India during the period of investigation, provided that these exporters or producers show that they are not related to any of the exporters or producers in the exporting country who are subject to the anti-dumping duties on the product.*

*(2) The Central Government shall not levy anti-dumping duties under sub-section (1) of section 9A of the Act on imports from such exporters or producers during the period of review as referred to in sub-rule (1) of this rule:*

*Provided that the Central Government may resort to provisional assessment and may ask a guarantee from the importer if the designated authority so recommends and if such a review results in a determination of dumping in respect of such products or exporters, it may levy duty in such cases retrospectively from the date of the initiation of the review.”*



13. Article 9.5 of the WTO Agreement states as under –

*“9.5 If a product is subject to anti-dumping duties in an importing Member, the authorities shall promptly carry out a review for the purpose of determining individual margins of dumping for any exporters or producers in the exporting country in question who have not exported the product to the importing Member during the period of investigation, provided that these exporters or producers can show that they are not related to any of the exporters or producers in the exporting country who are subject to the anti-dumping duties on the product. Such a review shall be initiated and carried out on an accelerated basis, compared to normal duty assessment and review proceedings in the importing Member. No anti-dumping duties shall be levied on imports from such exporters or producers while the review is being carried out. The authorities may, however, withhold appraisement and/or request guarantees to ensure that, should such a review result in a determination of dumping in respect of such producers or exporters, anti-dumping duties can be levied retroactively to the date of the initiation of the review.”*

14. In terms of the aforesaid Rules and provisions in the WTO Agreement, the Designated Authority is required to review, for the purpose of determining individual margin of dumping for any exporter or producer in the exporting country in question, who has not exported the subject goods to India during the period of investigation of the earlier anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods from the subject country and that the applicant is/are not related to any of the exporters and producers in the exporting country who are subjected to the anti-dumping duty.
15. Thus, the basic intent of the WTO Agreement as well as the AD Rules, as far as the provisions of NSR investigation is concerned, is determination of individual margins of dumping for any exporters or producers in the exporting country in question who have not exported the product to India during the period of investigation. It does not, however, mean that any exporter with a paltry sum of export during the POI of the NSR investigation and without any continued involvement in the exports of the subject goods to India would be automatically entitled for individual dumping margin. Such an approach would encourage fly by night operators to take advantage of the rules and get a favourable dumping margin determined through a few stage managed export transactions as a license to dump.
16. The subject review was initiated on the basis of an application and information furnished by M/s HainingTianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) and M/s Manna, Korea RP (Exporter), for determination of individual dumping margin, in respect of the definitive anti-dumping duty imposed by the Central Government vide Notification No. 82/2011-Customs (ADD) dated 25th August, 2011, concerning imports of the subject goods, originating in or exported from China PR and the authority recommended provisional assessment on all exports of imports of PVC Flex Film made by M/s HainingTianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) and M/s Manna, Korea RP (Exporter), till this review is completed in accordance with the Rule 22 of the Rules Supra. Accordingly, the Central Government in the Department of Revenue, vide Notification No.24/2012-Customs (ADD) dated 14th May, 2012 and the corrigendum notification dated 15th June, 2012, notified the provisional assessment on all exports of the subject goods made by M/s. HainingTianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) and M/s Manna, Korea RP (Exporter), till completion of the present NSR investigation. The said notification stated that pending the outcome of the new shipper review by the Designated Authority, the imports of subject goods in to India, originating in or exported from China PR, by M/s. HainingTianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) and M/s Manna, Korea RP (Exporter), shall be subjected to provisional assessment till the review is completed. It also stated that the provisional assessment may be subject to such security or guarantee as the proper officer of customs deems fit for payment, if any, in case a definitive anti-dumping duty is imposed retrospectively, on completion of investigation by the designated authority. It further stated that in case of recommendation of anti-dumping duty after completion of the said review by the designated authority, the importer shall be liable to pay the amount of such anti-dumping duty recommended on review and imposed on all imports of subject goods, when originating in or exported from China PR, in respect of the above stated parties, from the date of initiation of the said review.
17. Subsequent to the initiation of the investigation, M/s Haining Tianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) and M/s Manna, Korea RP (Exporter), filed the exporter questionnaire responses in respect of the claimed exports



made by them to India during the POI. M/s HainingTianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) also filed MET questionnaire response claiming market economy treatment.

18. As regards market economy claim by M/s HainingTianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR, the Authority notes that as per Paragraph 8 of Annexure I of the Anti-Dumping Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in subparagraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The responding exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:
  - (a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
  - (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy, system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
  - (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
  - (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
19. The Authority notes that M/s HainingTianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR has not provided sufficient documentary evidence to justify their claim for market economy treatment. Moreover, the Authority further notes, none of the WTO Member countries have granted market economy status to Chinese producers on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph 8(3). No country has granted market economy country status to China after following detailed evaluation procedure and examination. China PR is a non-market economy and the same has been held in a number of investigations by the Indian authority and other investigating authorities. Furthermore, the consideration of market economy and non-market economy treatment is relevant for determination of normal value, which is not called for in the present review investigation for the reasons detailed in this disclosure statement.
20. As per EQ responses filed by the applicants, except the export of a nominal volume of subject goods during the POI, neither the producer nor the exporter concerned have exported the subject goods to India during the post POI. Interestingly, Manna, Korea has not exported a single consignment of subject goods to India either prior to the POI or post POI. As per the available information, even the concerned Indian Importer M/s Harihar Traders has not imported the subject goods to India either during pre-POI or post POI.
21. The Authority notes that during the POI, M/s. Haining Tianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) and M/s Manna, Korea RP (Exporter) have claimed to have exported a nominal volume of \*\*\*MT of subject goods to India. They have not exported a single consignment of subject goods to India after the NSR POI, till date, despite the provisional assessment notification No. 24/2012-Customs(ADD) dated 14th May, 2012 by Central Government to the effect that pending the outcome of the new shipper review by the Designated Authority, the imports of subject goods in to India, originating in or exported from China PR, by M/s. Haining Tianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) and M/s. Manna, Korea RP (Exporter), shall be subjected to provisional assessment till the review is completed. It adequately demonstrates that the applicant's intention was apparently to somehow get the lowest or nil duty based on a nominal volume of exports of subject goods to India and thereafter facilitates intensified dumping in to India with the help of minimal or nil dumping margin through a few stage managed transactions. Applicant's intention is further established by the fact that they have not participated and cooperated in the on-going sunset review investigation. The applicants were very much aware of the level of duty and other details through the final findings in the original investigation and thereby had the opportunity to manipulate their prices in a pre-determined manner. Although M/s. Haining Tianfu Warp Knitting Co Ltd, China



PR (Producer) has claimed a huge domestic sale, they exported a minuscule volume of subject goods to India during the POI as compared to the total business of the exporter.

22. The Authority notes that during the POI, M/s. Haining Tianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) has exported a paltry volume 38.65 MT of subject goods to third country. This shows that the basic intent of the concerned Chinese producer was to somehow or other obtain an individual dumping margin from the Indian Authority with the help of a few stage managed transactions and stage managed exporter and importer, so that they would be in a position to continue to dump the subject goods in to India.
23. As per the available information, the Authority notes that the concerned exporter Manna Korea has not exported the subject goods to India during pre POI as well as Post POI periods. It is only involved in exports of the nominal volume of subject goods produced by applicant producer only during NSR POI. The Authority notes that the concerned Chinese producer may not be involved in the production and sale of subject goods prior to the POI, but Manna, Korea could have exported the subject goods to India or to third countries either during pre POI or post POI. But, as per the information furnished by Manna, Korea, the Authority can safely hold that it has been created or roped in for the stage managed transactions with India during the NSR POI.
24. As per the available information, the Authority notes that the Indian importer involved in the export transaction during the POI has also not made any import of subject goods either during Pre POI or Post POI periods. It appears that even the Indian importer has been stage managed to facilitate the unfair transactions during the NSR POI. This is confounded by the fact that the concerned importer did not file questionnaire response along with relevant information and documents despite request.
25. As per the information furnished by M/s. Haining Tianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer), they have exported a paltry quantity to third country, but at a lower price as compared to their exports to India. This further proves that the exports made by Haining Tianfu to India during the NSR POI is stage managed with the obvious intent of obtaining a favourable dumping margin.
26. In terms of the Anti-dumping Rules and provisions in the WTO Agreement concerning NSR, the Designated Authority is required to review, for the purpose of determining individual margin of dumping for any exporter or producer in the exporting country in question, who has not exported the subject goods to India during the period of investigation of the earlier anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods from the subject country and that the applicant is/are not related to any of the exporters and producers in the exporting country who are subjected to the anti-dumping duty. Considering the facts and circumstances of the present case, wherein the concerned Chinese producer has exported only a paltry quantity of subject goods to India during the POI and has no exports to India thereafter despite continued provisional assessment, wherein the concerned Korean exporter has no export of subject goods either during POI or post POI periods to either India or third countries and domestic sales as well. Even, the concerned Indian importer has not made any imports of subject goods from subject country or any other country, either during the pre POI or post POI periods and did not file importers questionnaire response despite request by the Authority. In such circumstances, the Authority notes that the entire transactions appear to have been stage managed to obtain a favourable dumping margin to facilitate dumping. The facts of the entire case smacks of a deliberate arrangement for the sole purpose of taking advantage of anti-dumping duty through the NSR route.
27. The nature of review under Rule 22 is case specific with a defined purpose of determining individual margins for such exporter/producer that did not exist or export, either directly or indirectly, during the original investigation. But, this provision does not contemplate to enable a shell entity, created for the avowed purpose of obtaining an individual dumping margin as a license to dump. In a non-market system prevailing in China, it is just not possible to segregate the non-related and identify the related entities to establish veracity in the claims made by the new shipper applicants as far as relationship aspect in a new shipper investigation aspect. Thus, the object and intent of the Rule 22 is not to permit anybody and everybody as new shippers and grant the accompanying benefit of individual dumping margin, without analysing the tone and tenor of the applicants and their seriousness and continued involvement in the exports of subject goods to India. The objective of the new shipper review is to



enable new shippers to continue to export without being saddled with the burden of residual duty and not to become a conduit to facilitate fly by night operators.

28. In the present investigation, M/s. Haining Tianfu Warp Knitting Co Ltd (producer) has exported a nominal volume of subject goods to India during the POI, without any continued export activities during post POI till date and both the concerned exporter and the importer have not demonstrated with documentary evidence their involvement in the exports of the subject goods either prior to the POI or post POI. The Authority, therefore, notes that the entire NSR period performance has been stage managed by the applicants to obtain either nil or low dumping margin with the ulterior motive to circumvent the duty imposed on the subject goods and to continue dumping.

**Post Disclosure Comments**

29. Post disclosure, the following comments have been received from the NSR applicants:

- i. The applicants qualify as new shippers in terms of Rule 22 of the AD Rules to get individual margins on the basis of the exports made by them during the POI.
- ii. The concerns expressed by the authority that the entire NSR period performance has been stage managed has no basis.
- iii. There is no legal requirement for post POI exports in NSR investigation.
- iv. No exports could be done in post POI since the buyers were not ready to buy after paying anti-dumping duties or under bond.

30. Post disclosure, the following comments have been received from the domestic industry:

- i. If the Chinese producer indeed had significant interest in the Indian market, they would have been exporting the product under consideration in the Indian market before the POI and after the POI.
- ii. The volume of subject goods exported by the applicants cannot be considered as a commercial volume.
- iii. It cannot certainly be a case that the exporter considers the volumes as commercial volumes for dumping margin determination and at the same time contends that it has not been able to undertake regular commercial exports due to anti-dumping duty in force.
- iv. If the exporter could undertake these transactions as export transactions and claim these as commercial volumes, nothing prevented the applicant from making exports of higher volumes. Thus, the exports made by the exporter cannot be considered as exports within the meaning of the rules.
- v. Applicant has also not participated and cooperated in the on-going sunset review investigation.
- vi. The basic intent of applicant was to get individual dumping margin to continue to dump the subject goods into India.
- vii. Applicant intended to get lowest or nil duty based on paltry volume of exports of subject goods to facilitate intensified dumping in India. Any exporter with a paltry sum of export during the POI of the NSR investigation and without any continued involvement in the exports of the subject goods to India can never be entitled for individual dumping margin.
- viii. An exporter under the law means a company who has been undertaking regular exports of the product. In the instant case, the Korean company has not undertaken any supplies in the Indian market either in the past or subsequent to POI. The Korean company has not exported the product under consideration in third countries either prior to POI or in post POI period. Thus, the claim made by the applicant that the shipping company is an exporter" is required to be rejected.
- ix. A company who has no past exports to India or third country, skeleton exports to India during POI, no exports to third countries during POI and no exports in Indian market or third countries in post POI cannot claim itself the status of an "exporter".
- x. The Korean trader clearly shows that the Korean trader is a "fly by night" company in Korea, apparently created for the sole purpose of seeking present review.
- xi. There can be no plausible justification for creating a trading company in Korea who would buy product under consideration from China and sell in Indian market. The only purpose of creating this company in Korea is to "doctor the exports to India" once the attempted exception is achieved.



31. The Authority notes that the submissions made by the applicants are mere reiterations of their earlier submissions/arguments which have been adequately addressed in the present findings. Nevertheless, at the cost of brevity, the Authority reiterates that the entire NSR period performance has been stage managed by the concerned NSR applicants to obtain either nil or low dumping margin with the ulterior motive to circumvent the duty imposed on the subject goods and to continue dumping. Despite the continued validity of the provisional assessment until completion of the present investigation, the applicants preferred to restrict their exports to a nominal volume during the POI only and did not continue their exports activity as a policy of weight and watch. Under the above stated circumstances, the Authority holds that it may not be appropriate to clear the exports of the subject goods made by M/s. HainingTianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) and M/s Manna, Korea (Exporter), without payment of Anti-Dumping duty.

**Conclusion and Recommendation:**

32. Based on the facts and circumstances as stated above, wherein the entire transactions have been stage managed to obtain a favourable dumping margin to facilitate dumping, the Authority concludes that the New Shipper Review applicants i.e. M/s. HainingTianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) and M/s Manna, Korea (Exporter), cannot be given individual dumping margin by treating them as new shippers under Rule 22 of the Anti-Dumping Rules. The Authority, therefore, recommends that the exports of the subject goods produced by M/s. Haining Tianfu Warp Knitting Co Ltd, China PR (Producer) and M/s Manna, Korea (Exporter), during the period from the date of initiation of the present NSR investigation recommending provisional assessment i.e. vide Notification No.15/23/2011-DGAD dated 12th April, 2012, may be subjected to levy of Anti-Dumping Duty @ US \$ 0.538/KG, as imposed earlier on the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR, until the date of validity of the said duty, notified earlier vide Notification No. 82/2011-Customs (ADD) dated 25th August, 2011 and extended vide Notification No. 43/2015-Customs (Anti-dumping Duty) dated 18th August, 2015.
33. An appeal against the orders of the Central Government arising out of this finding shall lie before the Customs, Excise, and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975.

A. K. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority